शनिवार
24 जून 2023

पृष्ठ 4

डेस्क जॉब के दौरान सक्रिय रहने के लिए बीच-बीच में ब्रेक लें

पृष्ठ 5

राजकुमार हिरानी, संजय दत्त और अरशद वारसी की तिकड़ी साथ आई

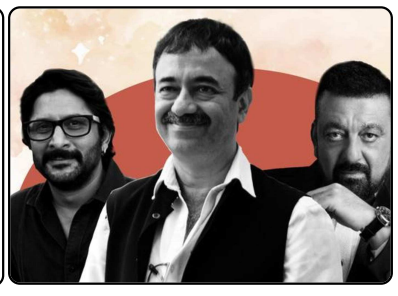

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 141
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।
— महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com
आर.एन.आई.- 59626/94
Website: dunvalleymail.com

देशभर में करोड़ों की ठगी करने वाले गिरोह का सरगना गिरफ्तार

❑एलआईसी पॉलिसी के नाम पर देते थे धोखा

संवाददाता

देहरादून। आईआईसी पालिसी के नाम पर देशभर में करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के सरगना को एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया 3 मई 2023 को अनसुया प्रसाद थपलियाल पुत्र स्व. आरपी थपलियाल निवासी कौलागढ रोड राजेन्द्र नगर ने साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून पर तहरीरी सूचना अंकित कराई, जिसमें पीडित के साथ अज्ञात लोगो द्वारा स्वंय को आईआरडीए विभाग का कर्मचारी बताते हुए शिकायतकर्ता के अनुरोध पर पॉलिसी को केन्सल कराने हेतु प्रोसेसिंग चार्ज की माँग करना तत्पश्चात अन्य अज्ञात व्यक्तियो द्वारा विभिन्न नम्बरों से सम्पर्क कर स्वंय को एनपीसीआई इंश्योरेन्स कम्पनी, इनकम टैक्स आदि के कर्मचारी बताकर फन्ड वापस दिलाने

की बात करते हुये विभिन्न चार्ज के नाम पर 43,23,351 रुपये की धनराशि धोखाधडी से प्राप्त करने सम्बन्धी शिकायत अंकित की गई। जिस पर साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी । जांच में पीड़ित के साथ 43,23,351 रुपये की धोखाधड़ी होने की पुष्टि हुई है। एसटीएफ द्वारा घटना में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर, तथा ठगो द्वारा पीडित से प्राप्त धनराशि की जानकारी प्राप्त की गयी तो प्रकाश में आया कि पीडित की धनराशि दिल्ली में स्थानान्तरित हुयी है, के आधार पर टीम को दिल्ली भेजा गया। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से ठगो द्वारा पीडित को जिस नम्बर से कॉल की गयी उक्त मोबाईल नम्बर की जानकारी करते हुए व धोखाधड़ी से प्राप्त धनराशि जिस खाते में स्थानान्तरित हुयी उसके खाताधारक की जानकारी प्राप्त की गयी जिसे एसटीएफ ने दिल्ली से गिरफ्तार कर मुकदमें से सम्बन्धित 6 मोबाईल फोन, आधा दर्जन से अधिक सिम कार्ड, चैक बुक, 2 रजिस्टर जिसमें अपराध में प्रयोग किये जाने वाले खातों का विवरण

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

केदारधाम मंदिर में सोने की परत का मामला

सीएम ने गठित की हाई लेवल जांच कमेटी

विशेष संवाददाता

देहरादून। केदारधाम के गर्भगृह में चढ़ाई गई सोने की परत असली है या नकली इस मामले की जांच अब हाई लेवल कमेटी द्वारा की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अति संवेदनशील मामले की जांच के लिए गढ़वाल कमिश्नर सुशील कुमार की अध्यक्षता में एक हाई लेवल कमेटी गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। जो एक माह में सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। बीते कई दिनों से इस मामले को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है। बीते कल हालांकि पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज द्वारा इस मामले की जांच कराने की बात कही गई थी।

उल्लेखनीय है कि केदार धाम मंदिर में जो सोने की परत चढ़ाई गई थी उसकी शुद्धता को लेकर तीर्थ पुरोहित व पुजारियों ने सवाल उठाए थे तथा इसका रंग बदलने के कारण इसे पीतल का बताया गया था, जिसके बाद मंदिर समिति ने इस पर सोने की पॉलिश कर इस मामले को रफा-दफा करने का काम किया गया था। जिस पर शंकराचार्य

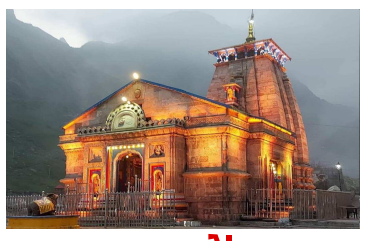

❑एक माह में सरकार को कमेटी सौंपेगी रिपोर्ट

अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा कहा गया था कि अगर सोना है तो उसकी रंगाई की क्या जरूरत थी। उन्होंने बद्री-केदार समिति को कटघरे में खड़ा करते हुए इसे भगवान के साथ धोखा कहा था। इसके बाद इस मुद्दे पर विपक्ष कांग्रेस द्वारा भाजपा सरकार और उसके नेताओं पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा गया था कि भाजपा आम आदमी तो क्या भगवान को भी नहीं छोड़ेगी।

इस मुद्दे को लेकर बड़े विवाद को देखते हुए सीएम धामी ने आज इस मामले की जांच के लिए हाई लेवल समिति का गठन कर दिया है जो एक माह में जांच कर सरकार को रिपोर्ट

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सरकारी अधिकारी के घर व अन्य ठिकानों पर छापेमारी के दौरान मिले 3 करोड़ रुपये

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस की सतर्कता शाखा ने एक सरकारी अधिकारी के परिसरों पर छापामारी कर तीन करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी बरामद की है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि सतर्कता शाखा ने ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) के अधिकारी प्रशांत कुमार रौत के भुवनेश्वर स्थित घर और अन्य ठिकानों पर छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी बरामद की है। रौत नबरंगपुर जिले में उप कलेक्टर के तौर पर तैनात हैं। अधिकारियों के मुताबिक, जब सतर्कता शाखा के अधिकारी आरोपी अफसर के यहां कनान विहार स्थित घर पहुंचे, तो उनकी पत्नी ने नकदी से भरे छह गत्ते पड़ोसी की छत पर फेंक दिए और उनसे रकम छिपाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि बाद में पड़ोसी के घर से सभी गत्तों को बरामद कर लिया गया और नकदी को गिनने के लिए गणना करने वाली कई मशीनों का इस्तेमाल किया गया। अधिकारियों के अनुसार, रौत के नबरंगपुर आवास से 89.5 लाख रुपये नकद और सोने के जेवरात बरामद किए गए हैं। सतर्कता विभाग की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, ष्यह राज्य में किसी सरकारी अधिकारी के यहां से सबसे ज्यादा नकद बरामदी का दूसरा मामला है। अप्रैल 2022 में, हमने कार्तिकेश्वर राउल की संपत्तियों पर छापेमारी के दौरान 3.41 करोड़ की नकदी बरामद की थी।

युवक ने परिवार के 5 लोगों की फरसे से काटकर की हत्या, खुद को मारी गोली

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से दिल को दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक ही परिवार के लोगों और दोस्त की हत्या से मैनपुरी में मातम पसरा है। आरोपी ने फरसे से काटकर पांच लोगों को मौत के घाट उतार दिया। मरनेवालों में दो भाई, भाई की पत्नी, दोस्त और जीजा शामिल हैं। आरोपी ने मामा और पत्नी को भी हमला कर घायल कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद भी गोली मारकर खुदकुशी कर ली। सामूहिक हत्याकांड की घटना थाना किशनी के गांव गोकुलपुर अरसारा की है।

वारदात की सूचना पाकर थाना प्रभारी

किशनी ने पुलिस बल के साथ गांव में डेरा जमा दिया है। शवों को घर से पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजकर पुलिस ने तफ्तीश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सोहवीर पुत्र सुभाष चंद्र यादव ने परिवार के पांच लोगों की फरसा से काटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि घर में शादी के एक दिन बाद सामूहिक हत्याकांड को अंजाम दिया गया। एक दिन पहले सोहवीर के भाई की बारात वापस आई थी। शादी में शिरकत करने दूर-दराज से परिजन और दोस्त आए हुए थे।

घर में नाच-गाने का कार्यक्रम चल रहा था। जश्न के दौरान सोहवीर की परिजनों और दोस्त से किसी बात पर कहासुनी हो गई। मौका पाकर सोहवीर ने फरसे से हमला कर पांच लोगों को मौत के घाट उतार दिया। आरोपी ने मामा और पत्नी को भी जान से मारने की की कोशिश की। हमले में दोनों घायल हो गए। आलाधिकारी मौका-ए-वारदात पर पहुंचन गए हैं। वारदात को अंजाम देने का कारण अभी साफ नहीं हुआ है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सोना कैसा सोना है?

उत्तराखंड की सियासत में इन दिनों सोने का बाजार गर्म है। चारों ओर से एक ही आवाज आ रही है कि सोना कैसा सोना है? इस सोने ने न सिर्फ सियासी हलकों में कोहराम मचा रखा है अपितु श्रद्धा और आस्था की देवभूमि में भी भूकंप ला दिया है। केदारधाम के गर्भ ग्रह को स्वर्णिम आभा से चमाचम करने के लिए जो सोना लगया गया है अब उसकी शुद्धता पर तमाम तरह के सवाल खड़े हो चुके हैं विपक्षी राजनीतिक दलों के नेता जहां बद्री केदार समिति और भाजपा को इस मुद्दे को लेकर कटघरे में खड़ा कर रहे हैं वही शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का कहना है कि यह सिर्फ आस्था के साथ एक बड़ा खिलवाड़ है बल्कि भगवान के साथ धोखा है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने अब इसकी जांच के आदेश देते हुए जांच समिति गठित कर दी है और कहा है कि जांच होने दीजिए सब कुछ सामने आ जाएगा। अगर इसमें कोई हेराफेरी हुई हो तो दोषियों को सजा मिलेगी। निश्चित तौर पर यह मामला इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यह धर्म और आस्था से जुड़ा है। शंकराचार्य की आपत्ति और नाराजगी स्वाभाविक है आस्था के नाम पर अगर किसी भी तरह का भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की जाती है तो इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है? यह नैतिक पतन की पराकाष्ठा ही कही जाएगी। पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा इस व्यवस्था को बदलने का प्रयास किया गया था देवभूमि के सभी चारों धामों सहित समस्त प्राचीन धार्मिक स्थलों का रखरखाव और प्रबंध न के लिए उन्होंने सरकारी नियंत्रण में लाने के जो प्रयास देवस्थानम बोर्ड बनाने के रूप में किए थे तो इसे लेकर तीर्थ पुरोहितों और पंडा पुजारियों ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। जो त्रिवेंद्र सिंह रावत को सीएम पद से हटाये जाने के कारणों में से एक था। चार धामों के तीर्थ पुरोहितों और पुजारियों को व्यवस्थाओं में कोई परिवर्तन कतई भी गवारा नहीं है और छोटी-छोटी बातों को लेकर सरकार के खिलाफ अगर वह आंदोलनों पर उतारू हो जाते हैं तो उसके पीछे उनकी मनमानी जो वह अब तक करते रहे है ही सबसे प्रमुख कारण है चारधाम आने वाले श्रद्धालुओं के साथ अभद्र व्यवहार से लेकर दर्शन कराने के नाम पर जिस तरह की लूट खसोट के जो समाचार आते हैं वह यही बताने के लिए काफी है कि क्यों वह इस पुरानी व्यवस्था में बदलाव नहीं चाहते हैं अभी इसी यात्रा सीजन के प्रारंभिक दौर में धामों में क्यूआर कोड लगाकर दानदाताओं से दान लेने का जो मामला सामने आया था उसकी जांच कराई गई थी मगर जांच के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही की गई। अब जो सोने की जांच कराने की बात कही जा रही है वह कहां तक पहुंचती है यह तो आने वाला समय ही बताएगा लेकिन यह मामला सरकार और बद्री केदार समिति की प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है। क्या कोई दानदाता श्रद्धा व आस्था के नाम पर अपना नाम रोशन करने के लिए सोने की जगह पीतल या दोयम दर्जे का सोना दान कर सकता है? इसकी संभावनाएं बहुत कम है। दूसरा सवाल यह है कि दानदाता ने जिन लोगों को यह सोना दिया क्या उन्होंने इसकी शुद्धता की जांच परख की या नहीं? अगर इस सोने की गुणवत्ता में किसी तरह की धांधली की गई तो वह किस स्तर पर हुई वह कौन लोग हैं जिन्होंने इस तरह की घटिया हरकत की। या फिर इस सोने को लेकर जो सवाल उठाया जा रहा है कि यह सोना कैसे सोना है बेवजह ही कुछ लोगों द्वारा एक बड़ा मुद्दा बनाया गया है। इसका खुलासा होना ही चाहिए? यह मुद्दा देव भूमि की सभ्यता पर एक बड़ा कलंक का टीका है इसलिए इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है और अगर कहीं कुछ धांधली हुई है तो उन चेहरों का बेनकाब होना भी जरूरी है जो भगवान के घर भी चोरी कर सकते हैं और भगवान को भी धोखा दे सकते हैं। देवभूमि के सभी धाम सिर्फ उत्तराखंड के लोगों की ही नहीं देश की एक सौ 40 करोड़ जनता का आस्था का केंद्र है देश भर से करोड़ों लोग इन धामों में आते हैं। अगर इसमें रत्ती भर भी सच्चाई है तो फिर यह देव भूमि की संस्कृति के लिए बहुत अपमानजनक स्थिति होगी जिसका ढोल हम पीटते रहते हैं।

यद्याव इन्द्र ते शतं शतं भूमीरुत स्युः।
न त्वा वज्रिन्सहस्रं सूर्या अनु न जातमष्ट रोदसी॥

(ऋग्वेद ८-७०-५)

हे प्रभु ! सैकड़ों द्युलोक, सैकड़ों पृथ्वी और हजारों सूर्य भी आपको व्याप्त नहीं कर सकते। आप इन सब से बहुत बड़े हो। आपकी बराबरी कोई नहीं कर सकता। आप सबसे महान हैं।

O God ! Hundreds of Dulok, hundreds of earths, and thousands of suns also cannot pervade You. You are bigger than all these. No one can match You. You are The Greatest. (Rig Veda 8-70-5)

सैनिक कल्याण मंत्री ने किया सैन्य धाम का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने शनिवार को देहरादून के गुनियालगांव में बन रहे सैन्य धाम का स्थलीय निरीक्षण किया। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों से सैन्य धाम के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी प्राप्त की। मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए सैन्य धाम के निर्माण कार्य को हर हाल में तय समय सीमा के भीतर कार्य पूर्ण किया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में इस्तेमाल हो रही सामग्री में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

सैनिक कल्याण मंत्री ने आगामी 03 जुलाई को देहरादून के गुनियाल गांव में सैन्य धाम में अमर जवान ज्योति के निर्माण कार्य प्रारंभ होने के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में भी अधिकारियों को सभी तैयारियां सुनियोजित तथा समयबद्ध तरीके से कार्य करने के अधिकारियों को निर्देशित किया।

गौरतलब है कि देहरादून के गुनियाल गांव में निर्माण हो रहे उत्तराखंड के पंचम धाम सैन्य धाम में आगामी 03 जुलाई से अमर जवान ज्योति के निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। जिसमे प्रदेश के 1734 शहीदों के आंगन से एकत्रित की गई पवित्र मिट्टी का उस अमर जवान ज्योति में उपयोग किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल गुरमीत सिंह, प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शहीदों की वीरांगनाएं एवं उनके परिवारजन भी उपस्थित रहेंगे।

मंत्री गणेश जोशी ने कहा पूरे देश के विभिन्न स्मारकों का अध्ययन करने के बाद सैन्य धाम का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की परिकल्पना के स्वरूप उत्तराखंड में सैन्य धाम निर्माण हो रहा है। मंत्री ने कहा भारतीय सेना में जिन दो सैनिकों की पूजा होती है, बाबा हरभजन सिंह और बाबा जसवंत सिंह उनके मंदिर सैन्य धाम में बनाए जा रहे हैं। इसी प्रकार सैन्य धाम का मुख्य गेट देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम से बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा सैन्य धाम के बनने के बाद जिस प्रकार चारों धामों के दर्शन करने लोग आते हैं। ठीक उसी प्रकार से सैन्यधाम को देखने लोग यहां आएंगे। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में तैयार हो रहे सैन्य धाम न केवल प्रदेश के युवाओं को बल्कि देश भर के युवाओं को सदैव प्रेरित करता रहेगा। इस भावना के साथ सैन्य धाम का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर सैनिक कल्याण निदेशक ब्रिगेडियर अमृतलाल, एसडीएम नरेश चंद्र दुर्गापाल, पार्षद सुंदर सिंह कोठाल, लक्ष्मण सिंह रावत सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे

मारपीट में चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल रोड निवासी चरण सिंह ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह मेन बाजार में स्थित पेट्रोल पम्प पर खडा था तभी वहां पर मुस्लिम बस्ती निवासी सुमित, रोहित, विक्की व सोनी वहां पर आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जब आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मार पीट कर जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून । मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुभाष नगर कर्णप्रयाग निवासी नीलम गुसाईं ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने पति का इलाज पिछले दो साल से देहरादून व एम्स से अकेले ही डा. विनीत कुमार गुप्ता चकराता रोड देहरादून से करवा रही है, वह अपने पति के और बच्चों को देहरादून मंगलवार को पति के इलाज के लिये ले गई थी । जहाँ वह देहरादून में अपनी चाची के घर उत्तरांचल एन्कलेव सेक्टर 2 हरिपुर नवादा में परिवार सहित रूकी थी , अगले दिन बुधवार को उसके जेठ कमलेश गिरी, लक्ष्मण गिरी, देवर अशु गुसाईं व विरेन्द्र गुसाईं और शशि बिष्ट ने उसके साथ और उसके बच्चों के साथ मार पीट के ताई श्रीमती सुशीला देवी जो कि गोचर रहते है , उनके द्वारा उसके साथ गाली गलौच की गई ।

इन सबके द्वारा कहा जा रहा है कि वह अपने पति का गलत ट्रीटमेंट कराके गलत दवाईयाँ खिला रही है और मारने के बहाने ले जा रही हूँ। वह बिल्कुल अकेली है, और अकेले ही अपने पति की इलाज अब एम्स में इलाज करा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

केन्द्र के नौ साल पूरे होने पर सीएम ने की दो विशिष्ठ नागरिकों से मुलाकात की

संवाददाता

देहरादून। केन्द्र सरकार के नौ साल पूर्ण होने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दो विशिष्ठ नागरिकों से भेंट कर केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यो पर चर्चा की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष संपर्क अभियान के तहत महानगर देहरादून के दो विशिष्ट नागरिकों से मुलाकात की। उक्त क्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पद्मश्री डॉ. बसंती बिष्ट से डिफेंस कॉलोनी, देहरादून स्थित उनके निजी आवास में जाकर मुलाकात की साथ ही

मुख्यमंत्री ने श्री झंडा साहिब में महंत देवेंद्रदास महाराज से भेंट की। इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा किए गए विभिन्न कार्य पर विस्तार से चर्चा हुई।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे बनवाया पासपोर्ट, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। फर्जी दस्तावेजों व मुकदमें के बारे में छुपाकर पासपोर्ट बनवाने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार एलआईयू के दरोगा विपिन गुसांई ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि प्रदीप कुमार देवरा का पासपोर्ट आवेदन पत्र जांच सत्यापन हेतु माह जुलाई-2022 एलआईयू कार्यालय ऋषिकेश में प्राप्त हुआ। जिसकी जांच उसके द्वारा की गई। जांच के दौरान प्रदीप कुमार देवरा को उसके विरुद्ध कोई अभियोग पंजीकृत होने, न्यायालय में विचाराधीन होने के संबंध में पूछताछ की गई तो प्रदीप कुमार देवरा ने यह गलत सूचना दी कि उसके विरुद्ध कोई मुकदमा पंजीकृत नहीं है तथा ना किसी न्यायालय में कोई वाद विचाराधीन है जबकि अब यह जानकारी प्राप्त हुई है कि प्रदीप कुमार देवरा के विरुद्ध थाना रानीपुर जनपद हरिद्वार में मुकदमा अपराध संख्या 134/10 धारा 420 467 469 471 भादवि का मुकदमा दर्ज है तथा वर्तमान में यह मुकदमा न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय हरिद्वार के न्यायालय में विचाराधीन है। इस प्रकार प्रदीप कुमार ने उससे तथा पासपोर्ट कार्यालय से यह तथ्य छुपाया है कि उसके विरुद्ध कोई अपराधिक अभियोग विचाराधीन नही है। जांच के दौरान यह भी पाया गया है कि प्रदीप कुमार मोहल्ला रहीसान, हल्दौर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश का निवासी है। आईडीपीएल ऋषिकेश में प्रदीप देवरा या उसके पिता स्वर्गीय मोती सिंह कभी भी कार्यरत नहीं रहे। प्रदीप देवरा द्वारा डी-73 आईडीपीएल में निवास करने वाली वृद्ध महिला से एक किराया अनुबंध पत्र बना लिया जबकि डी- 73 में निवास करने वाली वृद्ध महिला श्रीमती गुलशन भनोट को आईडीपीएल का आवास किराए पर देने का कोई अधिकार नहीं है तथा गुलशन भनोट को मकान आवंटन काफी वर्ष पूर्व आईडीपीएल प्रबंधन द्वारा निरस्त कर दिया गया है। प्रदीप देवरा द्वारा कूटरचित किराया अनुबंध पत्र तैयार कर उसका वास्तविक रुप में प्रयोग कर जघन्य अपराध किया गया है। उक्त व्यक्ति ने प्रधान ग्राम पंचायत ऋषिकेश से निवास प्रमाण पत्र प्राप्त किया गया है, जिसमें प्रदीप देवरा को आईडीपीएल पोस्ट ऑफिस वीरभद्र ग्राम पंचायत ऋषिकेश का निवासी बताया गया है जबकि आईडीपीएल ग्राम पंचायत ऋषिकेश के क्षेत्रान्तर्गत नहीं आता है। इस प्रकार इस व्यक्ति ने निवास प्रमाण-पत्र कूट रचित प्रयोग किया गया है। उक्त व्यक्ति उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होने पर भी यह उत्तराखंड राज्य के स्थाई निवासियों को प्राप्त होने वाली सभी सुविधाओं का उपभोग कर रहा है तथा इसके द्वारा तथ्य छुपाकर पासपोर्ट भी प्राप्त कर लिया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान से नकदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से नकदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार माउंट व्यू कालोनी नथुवाला निवासी देवकी जोशी ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 20 जून 23 को वह अपनी बेटी के घर मियांवाला गई थी जब वह 21 जून 23 को अपने घर वापस आई तो देखा कि अज्ञात लोगों द्वारा उसके घर का ताला तोडकर घर में रखी नकद धनराशि सोने के आभूषण चोरी कर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मामू बना ठगे दो लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। मामा बोलकर खाते में दो लाख रूपये डलवाकर मामू बना दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रिस्पना रोड करनपुर निवासी देवेश गुप्ता ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 8 जून 2023 को उसके पास एक अज्ञात नम्बर से फोन आया मामा बीजा में गडबडी हो गयी है ट्रेवलिंग एजेंट के खाते में दो लाख बीस हजार रूपये डाल दें वह बाद में लोटा देगा उसने ज्यादा जाँच न करते हुये पैसे उनके द्वारा बताये गये पंजाब नेशनल बैंक में अमित कुमार मेहतो आईएफएससी में नगद जमा करा दिये। पहली बार जिस नम्बर से फोन आया उससे उसने सम्पर्क करने का प्रयास किया लेकिन सम्पर्क नहीं हो सका। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ ठगी हुई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बच्चों के हाथ में स्मार्टफोन देने का मतलब बीमारियों को बुलावा देना

आजकल मोबाइल फोन तो खाना खाने और सोने से भी ज्यादा जरूरी हो गया है। अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पास भी स्मार्टफोन रहने लगा है। एक्स्पर्ट्स का भी ये मानना है कि बच्चों को टीएनज उम्र में ही मोबइल फोन थमा देना उनकी मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए ठीक नहीं है।

जी हां, अगर आपने भी अपने टीएनज बच्चे को मोबाइल फोन दे रखा है तो ये उसकी सेहत को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा सकता है। यहां हम आपको टीएनज में स्मार्टफोन इस्तेमाल करने से होने वाले नुकसानों के बारे में बताने जा रहे हैं।

टीन टेंडोनाइटिस : यदि बच्चों को कम उम्र में ही मोबाइल दे दिया जाए तो जाहिर सी बात है कि उन्हें मैसेज टाइप करने की लत तो लग ही जाएगी। वहीं ज्यादा मैसेज टाइप करने से बच्चे को टीन टेंडोनाइटिस यानी टीटीटी हो सकता है। इसमें गलत पोस्च्र के कारण हाथ, पीठ और गर्दन में दर्द हो सकता है। इसके कारण नजर भी प्रभावित हो सकती है।

तनाव: पूरा दिन फोन पर लगे रहने और मैसेज करने वाले बच्चे बाहर दोस्तों के साथ घूमने और खेलने बहुत कम ही जाते हैं। अध्ययनों की मानें तो फोन पर ज्यादा समय बिताने वाले बच्चों में थकान और तनाव का खतरा रहता है। कुछ मामलों में मानसिक विकार भी हो सकते हैं।

नींद न आना : अधिकतर बच्चे सोते समय मोबाइल फोन को अपने पास ही रखते हैं। फोन बजने पर बार-बार नींद टूटती है और इससे बच्चे में नींद की कमी की समस्या होने लगती है।

कैंसर का खतरा: अध्ययनों में सामने आया है कि मोबाइल फोन से निकली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन लंबे समय तक फोन को पकड़े रहने पर ऊतकों द्वारा सोख ली जाती हैं। टीएनज उम्र में तंत्रिका तंत्र का विकास हो रहा होता है और इनमें वयस्कों की तुलना में मोबाइल फोन के कारण ब्रेन कैंसर होने का खतरा ज्यादा रहता है।

चिंता: किसी से बात करने के अगर मैसेज करना ही एकमात्र तरीका रह जाए तो इस वजह से टीएनज बच्चों में एंग्जायटी पैदा हो सकती है। दोस्तों को तुंरत रिप्लाई आना जहां खुशी देता है, वहीं घंटों इंतजार करने से चिंता बढ़ती है।

टीएनएज बच्चों के लिए मोबाइल फोन के सेफ्टी टिप्स

*बच्चे को मोबाइल फोन देने से पहले ये तय कर लें कि उसे दिन में कितना समय और पैसा खर्च करना है।

*उसे हिदायत दें कि दोस्तों के तुंरत रिप्लाई का इंतजार करना उसकी सेहत के लिए ठीक नहीं है।

*पढ़ाई करते समय मोबाइल फोन को बंद रखें।

*सोने से पहले भी फोन को ऑफ करने की आदत डालें।

*बच्चे को समझाएं कि फोन का कम इस्तेमाल करने से कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है। दिन में 2० मिनट से फोन पर बात करना उसके लिए सही नहीं है।

बच्चों के लिए मोबाइल फोन का कम इस्तेमाल करने की बात समझना मुश्किल है, लेकिन पेरेंट्स होने के नाते आपको तो इस चीज को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

बच्चों को किस उम्र से देना चाहिए फ्रूट जूस

बड़ों ही नहीं बल्कि बच्चों के लिए भी फल और सब्जियां बहुत फायदेमंद होती हैं लेकिन आपको ये पता होना चाहिए कि छोटे बच्चों को किस उम्र से फ्रूट जूस देना शुरू करना चाहिए। जूस सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं लेकिन बच्चों के लिए ये कितने फायदेमंद होते हैं, ये जानना जरूरी है।

तो चलिए जानते हैं कि बच्चों को किस उम्र से जूस दे सकते हैं और उन्हें किस फल एवं सब्जी का जूस देना ज्यादा फायदेमंद रहता है।

क्या शिशु को जूस दे सकते हैं?

आमतौर पर एक साल से कम उम्र के बच्चों को जूस नहीं देना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता और उनके दांतों में कीड़े लग सकते हैं। वहीं एक साल से अधिक उम्र के बच्चों को जूस से उतना ही फायदा मिलता है जितना कि वयस्कों को होता है। आप सेब, अंगूर, खरबूजा, गाजर, संतरा, टमाटर, नींबू, आड़ू, आम, बैरी, लीची, चुकंदर का जूस बच्चों को दे सकते हैं।

जूस पीने के फायदे

1.माइक्रोन्यूट्रिएंट्स : फल और सब्जियां माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का बेहतर स्रोत हैं जैसे कि विटामिन और मिनरल। ये मल्टीविटामिन और मिनरल शिशु के विकास में मदद करते हैं।

2.रक्त संचार : माना जाता है कि फल और सब्जियों के रस से हृदय स्वस्थ रहता है। इनमें कई पॉलीफेनोल, विटामिन और खनिज पदार्थ होते हैं।

3.प्रीबायोटिक : फल और सब्जियों के रस में बायाएक्टिव यौगिक जैसे कि पॉलीफेनोल, फाइबर और नाइट्रेट होता है। ये यौगिक प्रीबायोटिक की तरह काम करते हैं। इससे पाचन तंत्र दुरस्त रहता है।

बच्चों को कब दे सकते हैं जूस?

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के अनुसार, 12 महीने से कम उम्र के बच्चों को जूस नहीं देना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता है। एक साल की उम्र के बाद बच्चों को नियंत्रित मात्रा में जूस दे सकते हैं लेकिन फिर भी साबुत अनाज उनके लिए बेहतर विकल्प होते हैं। बच्चों को प्रतिदिन 6० से 12० मि.ली से अधिक जूस नहीं देना चाहिए। एफडीए के अनुसार बच्चों को जूस उबालकर देना चाहिए क्योंकि इससे उनमें मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाता है।

बच्चे को जूस देने के टिप्स

1.बच्चों को जूस बोतल की बजाय चम्मच या कप से दें।

2.उन्हें ताजा जूस दें जिसमें कोई स्वीटनर या पाउडर मिला न हो। ये पचाने में आसान होते हैं।

3.ठोस आहार की जगह जूस नहीं ले सकते हैं।

4.बच्चों के लिए फ्रूट जूस की बजाय सब्जी का रस देना शुरू करें क्योंकि फलों का रस ज्यादा मीठा होता है।

5.रात के समय बच्चों को फ्रूट जूस न दें क्योंकि इसकी वजह से पेट फूलने, गैस और अपच हो सकती है।

डेटा सुरक्षा में बड़ी सेंध ?

जिस युग में डेटा को सोना कहा जाता है, डेटा सुरक्षा के ऐसे हाल के साथ कोई भी देश सुरक्षित रहने और विकास मार्ग पर चलने को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता। सरकार को ताजा घटना का पूरा सच देश को बताना चाहिए। कोविन एप के जरिए स्टोर हुए लोगों के निजी डेटा की हैकिंग पर सरकार ने जो बयान दिए हैं, उससे कहीं यह भरोसा नहीं बंधता की ऐसी घटना नहीं हुई है। सिर्फ यह कह देना पर्याप्त नहीं हो सकता कि सारा डेटा सुरक्षित है और इसमें सेंध लगने की खबरें शरारतपूर्ण हैँ। अगर ऐसा है, तो पहले एक मलयालम वेबसाइट और फिर कई अन्य समाचार माध्यमों में नेताओं और अन्य लोगों की निजी जानकारियों के स्क्रीन शॉट्स कैसे प्रकाशित हो गए? सूचना तकनीक मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इस बारे में जो पहला बयान दिया, उससे स्थिति स्पष्ट होने के बजाय कई नए सवाल खड़े हो गए। इसलिए बेहतर होता कि कोरोना वैक्सीन लगवाने की अनिवार्य शर्त बना कर सरकार ने लोगों की जो निजी सूचनाएं ऐप के जरिए इकट्ठी की थीं, अगर हैकरों ने उसकी सुरक्षा तोड़ दी है, तो वह इस बात को स्वीकार करती। साथ ही इसकी व्यापक जांच शुरू करती, ताकि हैकरों तक पहुंचा जा सके। कुछ महीने पहले नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सर्वर की भी हैकिंग हुई थी। तब हैकरों ने महत्त्वपूर्ण स्वास्थ्य डेटा चुरा लिए थे। उसकी जांच कहां पहुंची, यह आज तक सार्वजनिक नहीं की गई है। दरअसल, भारत में डेटा सुरक्षा में सेंध लगने की सिर्फ यही दो घटनाएं नहीं हैँ। जिस युग में डेटा को सोना कहा जाता है, उस समय डेटा सुरक्षा के ऐसे हाल के साथ कोई भी देश सुरक्षित रहने और विकास मार्ग पर चलने को लेकर आश्वस्त नहीं हो सकता। अन्य सूचनाओं के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी डेटा की भी बाजार में ऊंची कीमत है, इसलिए अपराधी हैकरों की नजर इन पर रहती है। यह सरकार और उन संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि जिन लोगों का डेटा वे लेते हैं, उन्हें सुरक्षित रखें। भारत में सरकार और संस्थाएं इस जिम्मेदारी को निभाने में नाकाम नजर आ रही हैँ। महत्त्वपूर्ण प्रश्न यह भी है कि अगर इसी तरह सैन्य सुरक्षा और बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी आंकड़ों की चोरी कर ली गई, तो उसका क्या परिणाम होगा? इसलिए सरकार को ताजा घटना को अति गंभीरता से लेना चाहिए और इसका पूरा सच देश को बताना चाहिए। (आरएनएस)

डायबिटीजः स्वास्थ्य इमरजेंसी

डायबिटीज, इन रोगों के काफी बड़े हिस्से का संबंध जीवन शैली से है। इस संबंध लोगों को जागरूक बनाना जरूरी है। वरना, इलाज की स्थितियां विकट हो जाएंगी- खासकर उस हाल में जब आउटडोर चिकित्सा अधिक से अधिक प्राइवेट सेक्टर के हाथ में जा रही है।

मशहूर ब्रिटिश हेल्थ जर्नल लांसेट ने बीते हफ्ते भारत में डायबिटीज मरीजों के बारे में जो अध्ययन रिपोर्ट छापी, वह चेतावनी की एक घंटी है। अगर तुरंत इस पर लोगों ने ध्यान नहीं दिया, तो भारत की हालत भी पाकिस्तान जैसी हो सकती है, जहां लगभग 27 प्रतिशत बालिग लोग इस रोग का शिकार हो चुके हैँ। लांसेट के मुताबिक भारत में फिलहाल डायबिटीज से पीड़ित मरीजों की संख्या 11 करोड़ से ज्यादा है। 2019 में यह संख्या लगभग सात करोड़ थी। यानी चार साल में तीन करोड़ मरीज बढ़ गए। अगर इस वृद्धि दर को देखें, तो भयावह है। लांसेट ने असल में इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) की शोध रिपोर्ट को प्रकाशित किया है। उसके मुताबिक कुछ राज्यों में डायबिटीज के मामले स्थिर हैं, तो वहीं कुछ राज्यों में मामले तेजी से बढ़े हैं। अधिक चिंता पैदा करने वाले आंकड़े प्री-डायबिटीज की अवस्था में पहुंच चुकी आबादी से संबंधित हैं। देश की 15.3 फीसदी या लगभग 13.6 करोड़ आबादी प्री-डायबिटीक हैं। यानी अगले कुछ सालों में ऐसे लोगों के डायबिटीज की चपेट में आने की ठोस आशंका है।

शोध में यह भी कहा गया है कि 35 प्रतिशत से अधिक आबादी हाइपरटेंशन (हाई ब्लड प्रेशर) और हाई कोलेस्ट्रॉल की शिकार है। देश की 28.6 फीसदी आबादी मोटापे से ग्रस्त है। ये सारी स्वास्थ्य स्थितियां एक दूसरे को बढ़ाने वाली होती हैं। इन सबका किसी व्यक्ति पर बहुत गंभीर असर होता है। ऐसे में इन रोगों की रोकथाम और इलाज के उपाय देश की प्राथमिकता बन जाने चाहिए। इन रोगों के काफी बड़े हिस्से का संबंध जीवन शैली से है। इस संबंध लोगों को जागरूक बनाना जरूरी है। वरना, इलाज की स्थितियां विकट हो जाएंगी- खासकर उस हाल में जब आउटडोर चिकित्सा अधिक से अधिक प्राइवेट सेक्टर के हाथ में जा रही है। इस सिलसिले में अध्ययन से सामने आया यह तथ्य भी अहम है कि प्री-डायबिटीज के मामले में लगभग ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों कोई अंतर नहीं दिखाई देता है। प्री-डायबिटीज का स्तर उन राज्यों में अधिक पाया गया, जहां डायबिटीज का पहले प्रसार कम था। (आरएनएस)

डेस्क जॉब के दौरान सक्रिय रहने के लिए बीच-बीच में ब्रेक लें

कई लोग अपने दिन का सबसे ज्यादा समय ऑफिस में बिताते हैं। ऐसे में आपकी डेस्क जॉब है तो ज्यादा देर तक एक ही जगह पर बैठे रहने से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। खासकर कमर का हिस्सा काफी ज्यादा प्रभावित होता है। अगर आपको भी डेस्क जॉब के कारण तरह-तरह की समस्याएं हो रही हैं तो यह जरूरी है कि आप बीच-बीच में ब्रेक लें। इसके साथ ही इन 5 तरीकों को अपनाकर सक्रिय भी रह सकते हैं।

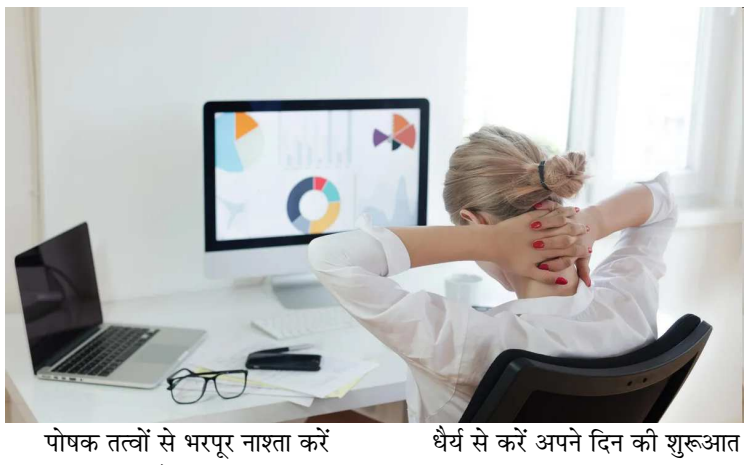

बीच-बीच में टहलने की आदत डालें

एक ही जगह पर काफी देर तक बैठे रहने की जगह बीच-बीच में ब्रेक लेकर कुछ मिनट टहलें। इसके बाद जब आप अपनी डेस्क पर वापस लौटेंगे तो आप खुद को तरोताजा महसूस करेंगे और नई ऊर्जा के साथ अपने कार्यों को निपटाने के लिए तैयार रहेंगे। इसी तरह अपनी डेस्क पर बैठने से पहले डिटॉक्स वॉटर या फिर सामान्य पानी का सेवन भी जरूर करें।

स्ट्रेचिंग करना भी है जरूरी

कुछ मिनटों के लिए स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करने से लंबे समय तक बैठने के कारण होने वाली जकड़न को कम करने में मदद मिल सकती है। इसके लिए अपनी रीढ़ और कूल्हों पर अधिक खिंचाव डालें, क्योंकि इन पर डेस्क जॉब के कारण सबसे ज्यादा दबाव पड़ता है। आप कुछ सरल डेस्क-फ्रेंडली योगाभ्यास करने की कोशिश कर सकते हैं, जो कार्यालय के माहौल के लिए उपयुक्त हैं। ऐसा करने से आपकी कई समस्याएं दूर हो सकती हैं।

लैपटॉप स्क्रीन से बनाएं थोड़ी दूरी

लैपटॉप स्क्रीन पर लगातार देखने से आंखों में दर्द होने की संभावना बढ़ जाती हैं। ऐसे गैजेट्स की स्क्रीन से आंखों की मांसपेशियों पर बुरा प्रभाव पड़ता है, जिससे आंखों में दर्द होने लगता है। ऐसे में इनका इस्तेमाल करते समय हर 20 मिनट के बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर रखी किसी वस्तु को देखें। हो सकता है कि शरूआत में इस एक्सरसाइज से आंखों पर थोड़ा दबाव पड़े, लेकिन यह फायदेमंद है।

पोषक तत्वों से भरपूर नाश्ता करें

अगर काम और रात के खाने के बीच एक लंबा ब्रेक है तो शाम के समय पौष्टिक और स्वस्थ नाश्ता करना अच्छा विचार है। इसके लिए अपनी डाइट में प्रोटीन, कॉम्पलैक्स कार्बोहाइड्रेट और हेल्दी फैट से भरपूर स्नैक्स शामिल करें। आप हेल्दी विकल्प के तौर पर कुछ स्टीम्ड स्नैक रेसिपीज ट्राई कर सकते हैं। ये स्नैक्स आपको पर्याप्त ऊर्जा देने सहित लंबे समय तक पेट भरा हुआ रखने में मदद करेंगे।

धैर्य से करें अपने दिन की शुरूआत

सुबह की दिनचर्या पूरे दिन के लिए सेट करने में मदद कर सकती है। यदि आप हड़बड़ी में इसकी शुरुआत करते हैं तो आप पूरे दिन हड़बड़ी महसूस करेंगे। अपनी सुबह की शुरूआत कुछ इस तरह ले करें कि आपका पूरा दिन सकारात्मकता के साथ बीते। सकारात्मकता के साथ दिन की शुरुआत करने के लिए इन 5 टिप्स को फॉलो करना अच्छा हो सकता है। (आरएनएस)

शिवांगी जोशी ने शुरू की नए शो बरसातें की शूटिंग, म्यूजिक वीडियो में भी आएंगी नजर

ये रिश्ता क्या कहलाता है में अपने किरदार नायरा से घर-घर में पहचान बना चुकीं शिवांगी जोशी जल्द ही बरसातें नाम से एक नए शो में नजर आएंगी। एक्ट्रेस ने कहा कि सोनी टीवी के लिए बालाजी द्वारा निर्मित शो की शूटिंग शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा, दर्शकों को जल्द ही शो देखने को मिलेगा।

शिवांगी ने बरुन सोबती और रिधि डोगरा अभिनीत अमेजन मिनी टीवी शो बदतमीज दिल के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा: यह ट्रेलर से काफी आशाजनक लग रहा है और मुझे यकीन है कि सीरीज अद्भुत होगी। बरुण और रिद्धि दो बेहतरीन अभिनेता हैं।

खतरों के खिलाड़ी 12 में एक्शन करती नजर आई एक्ट्रेस इस सीजन किसे चीयर कर रही हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, जैसा कि ज्यादातर लोग जानते हैं, इंडस्ट्री में मेरे ज्यादा दोस्त नहीं हैं। इसलिए इस सीजन में मेरा कोई भी दोस्त नहीं है। लेकिन हां, मैं सभी को शुभकामनाएं देना चाहती हूं।

शिवांगी के अपकमिंग शो बरसातें में वह डबल रोल में नजर आएंगी। उनके साथ कुशाल टंडन की जोड़ी बनाई गई है।

एक्ट्रेस जल्द ही अंकित गुप्ता के साथ एक म्यूजिक वीडियो बारिश आई है में भी दिखाई देंगी। इस गाने को रजत नागपाल के म्यूजिक के साथ रितो रीबा ने गाया है और दिल को छू लेने वाले बोल राणा सोतल के हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -057

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

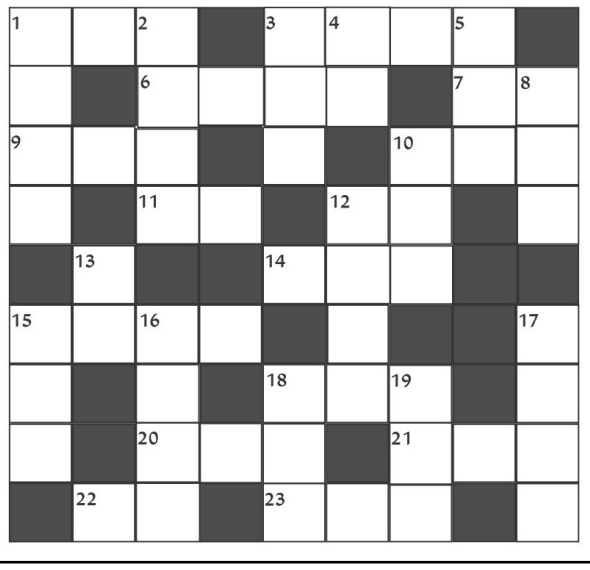

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 56 का हल

ज	ल	■	आ	वा	जा	ही	■	■
मा	■	खू	ब	■	दू	र	स्थ	■
ना	दा	न	■	सा	ग	■	ल	क्ष्य
■	न	ख	■	त	र	ल	■	■
■	वी	रा	न	■	■	च	ट	क
■	र	ब	■	आ	ज	क	ल	■
■	■	■	आ	ग	■	दा	ना	■
■	अ	ग	र	म	ग	र	■	क्रो
भा	भी	■	ती	न	■	■	व	ध

कंधार में एंट्री शॉट मेरे लिए सबसे कठिन सीन्स में से एक : अली फजल

जेरार्ड बटलर और अली फजल स्टारर हॉलीवुड एक्शन-स्पाई थ्रिलर फिल्म कंधार में कई तरह के एक्शन सीक्वेंस हैं। इसमें बहुत सारे स्टंट वर्क हैं। अली के कई स्टंट सीन थे और इनमें से एक स्टंट बहुत मुश्किल था। स्टंट की शूटिंग के बारे में बताते हुए, अली फजल ने कहा: कंधार की शूटिंग के दौरान मुझे सबसे कठिन सीन्स में से एक की शूटिंग याद है और मुझे लगता है कि मेरे लिए सबसे आइकोनिक शॉट मेरी एंट्री थी। इस सीन में एक हेलिकॉप्टर समुद्र के ऊपर उड़ रहा है। और उसके उतरने से ठीक पहले मैंने दरवाजा खोला और बाहर कूदा। फिर चलती हुई वैन में बैठ गया। यहां हम भाग जाते हैं और फिर वैन घाटी में जाती है और रुक जाती है। मैं वैन से उतरता हूं और बाइक पर बैठ जाता हूं। इस सीन में मुझे रेत पर चलती हुई बाइक से टर्न लेते समय उतरना है और फिर दूसरी दिशा में भागना है।

उन्होंने आगे कहा: और वह शायद सबसे कठिन शॉट्स में से एक था जिसका मैं फिल्म में हिस्सा था। यह सब बैक टू बैक था, रेत पर चलती बाइक पर सीधा रास्ता रखना सबसे कठिन था। मैं अपना संतुलन बनाए रखने और बाइक को स्थिर रखने की कोशिश कर रहा था। जिस तरह से यह बनी उससे मैं खुश हूं।

7० मिलियन डॉलर के अनुमानित बजट पर बनी हॉलीवुड प्रोडक्शन, फिल्म में जेरार्ड बटलर, ट्रैविस फिमेल, अली फजल, टॉम राई हैरीज, फरहाद बागेरी, ओलिविया-माई बैरेट और नावीद नगबान जैसे कलाकार हैं।

फिल्म रिक रोमन वॉ द्वारा निर्देशित है। अली फजल ने फिल्म में खलनायक पाकिस्तानी एजेंट और तालिबान के सहयोगी काहिल नासिल का किरदार निभाया है।

सर्वगुण संपन्न में वाणी कपूर के साथ रॉकेट बॉयज के ईश्वर सिंह आएंगे नजर

पाताल लोक और रॉकेट बॉयज के लिए पहचाने जाने वाले एक्टर इश्वाक सिंह बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर के साथ अपकमिंग सोशल कॉमेडी फिल्म सर्वगुण संपन्न में स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। यह सोनाली रतन के निर्देशन में पहली फिल्म है। एक सूत्र ने बताया कि इश्वाक ने सर्वगुण संपन्न में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म 199० के दशक में सेट की गई है और वाणी फिल्म में एक पोर्न स्टार के किरदार को निभाएंगी।

इश्वाक की भागीदारी के बारे में बात करते हुए, प्रोडक्शन के एक सूत्र ने कहा: इश्वाक इस भूमिका के लिए एकदम सही है। वाणी कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री निस्संदेह दर्शकों को लुभाएगी, और हम स्क्रीन पर उनकी नई जोड़ी पेश करने के लिए उत्साहित हैं।

निर्देशक सोनाली रतन ने जन्नत, तुम मिले, राजा नटवरलाल और शिद्दत जैसी फिल्मों में फिल्म निर्माता व पति कुणाल देशमुख के साथ सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया है। यह फिल्म कॉमेडी और सामाजिक कमेंट्री का मिक्सअप है, जो पुरानी यादों के साथ-साथ समसामयिक मुद्दों पर एक नया दृष्टिकोण पेश करती है। सर्वगुण संपन्न का निर्माण दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स कर रही है।(आरएनएस)

इमरान हाशमी पवन कल्याण, प्रियंका मोहन के साथ ओजी में दिखेंगे

गैंगस्टर, जहर, आवारापन और शंघाई जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी निर्देशक सुजीत की गैंगस्टर ड्रामा ओजी में शामिल हो गए हैं। फिल्म में पावर स्टार पवन कल्याण और प्रियंका मोहन भी मुख्य भूमिका में हैं। इमरान कलाकारों में शामिल हो गए, क्योंकि फिल्म का तीसरा शेड्यूल इस समय हैदराबाद में चल रहा है। वह इस फिल्म के साथ तेलुगू सिनेमा में अपनी शुरुआत करेंगे और फिल्म में पवन कल्याण के साथ भूमिका निभाते नजर आएंगे।

तेलुगू फिल्म उद्योग में पदार्पण के बारे में बात करते हुए इमरान ने साझा किया : मैं ओजी के साथ इस नई यात्रा को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। फिल्म की एक मजबूत और मनोरंजक पटकथा है और मुझे एक चुनौतीपूर्ण भूमिका मिली है, जिसे मैं पवन कल्याण सर, सुजीत, दानय्या सर और टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे विश्वास है कि हम दर्शकों के लिए एक यादगार सिनेमाई अनुभव बनाएंगे।

फिल्म में अर्जुन दास और श्रीया रेड्डी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। थमन एस. के संगीत के साथ, ओजी का निर्माण डी.वी.वी. दानय्या, डीवीवी एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत सुजीत द्वारा लिखित और निर्देशित है। फिल्म में दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज भी प्रमुख भूमिका में हैं।(आरएनएस)

राजकुमार हिरानी, संजय दत्त और अरशद वारसी की तिकड़ी साथ आई

राजकुमार हिरानी, संजय दत्त और अरशद वारसी बॉलीवुड की सबसे मशहूर तिकड़ी है, जो जब भी पर्दे पर साथ आई, उसने धमाल मचाया है। तीनों की जोड़ी मुन्नाभाई एमबीबीएस और लगे रहो मुन्नाभाई जैसी फिल्मों के लिए जानी जाती है। लंबे समय से तीनों के साथ आने की अटकलें लगाई जा रही थीं और प्रशंसक भी मुन्नाभाई की तीसरी किस्त का इंतजार कर रहे थे। अब तिकड़ी साथ तो आ रही है, लेकिन किसी और प्रोजेक्ट के लिए।

हाल में आई रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय, अरशद और राजकुमार एक नई परियोजना पर साथ काम करने के लिए तैयार हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही थी कि यह मुन्नाभाई फ्रेंचाइजी की फिल्म हो सकती है। हालांकि, यह अटकलें गलत निकलीं क्योंकि तीनों सितारे साथ तो आ रहे हैं, लेकिन वह मुन्नाभाई के लिए नहीं होगा। हाल ही में अरशद ने इस बारे में बात करते हुए बताया कि यह सहयोग वास्तव में विज्ञापन शूट के लिए हुआ है।

अरशद ने कहा, हम तीनों हाल ही में एक विज्ञापन शूट करने के लिए बहुत लंबे समय के बाद मिले थे और विज्ञापन में हम वैसा ही व्यवहार कर रहा था जैसा वास्तविक में करते हैं। उन्होंने आगे कहा, हम जब भी मिलते हैं मुन्नाभाई हमेशा चर्चा भाग पर काम करना चाहते हैं, लेकिन दुर्भाग्य से यह अभी तक अमल में नहीं आया है।

राजकुमार की मुन्नाभाई एमबीबीएस 2००3 में आई थी, जिसमें संजय मुन्नाभाई तो अरशद सर्किट के किरदार में नजर आए थे। दोनों को ही फिल्म में काफी पसंद किया गया था। 2००6 में फिल्म का दूसरा भाग लगे रहो मुन्नाभआई आया, जिसे भी दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया था। दोनों फिल्में सुपरहिट रही थीं और इसके बाद से ही फिल्म के तीसरे भाग की मांग की जाने लगी। दोनों ही फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देखने के लिए उपलब्ध हैं।

इस साल की शुरुआत में संजय और अरशद ने अपनी अनटाइटल्ड फिल्म का पोस्टर साझा कर ऐलान किया था। पोस्टर सलाखों के पीछे नजर आ रहे थे। इस फिल्म के निर्देशन की कमान सिद्धांध सचदेव ने संभाली है तो संजय इसके निर्माता हैं। फिल्म इसी साल रिलीज होगी और इसमें दोनों सितारे 16 साल बाद एक साथ स्क्रीन पर नजर आएंगे। इससे पहले दोनों 2००7 में धमाल में साथ दिखे थे। राजकुमार इन दिनों अपनी फिल्म डंकी को लेकर व्यस्त चल रहे हैं, जो साल के अंत में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में पहली बार शाहरुख खान और तापसी पन्नू की जोड़ी साथ में नजर आएगी। इसके अलावा संजय थलापित विजय के साथ लियो की शूटिंग कर रहे हैं तो अरशद हाल ही में जियो सिनेमा पर रिलीज हुई वेब सीरीज असूर के दूसरे सीजन में नजर आए हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है।

विजय देवरकोंडा की आगामी फिल्म का हिस्सा बनीं मृणाल ठाकुर

मृणाल ठाकुर को पिछली बार गुमराह में देखा गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। आने वाले दिनों में मृणाल लस्ट स्टोरी 2, पूजा मेरी जान और नानी 3० जैसी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज करवाएंगी। अब इस बीच मृणाल के हाथ एक और बड़ी फिल्म लगी है। वह श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स की आगामी फिल्म एसवीसी54 का हिस्सा बन गई है। इसमें उनकी जोड़ी दक्षिण भारतीय सिनेमा के जाने-माने अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ बनी है।

मृणाल ने इंस्टाग्राम कुछ तस्वीरें साझा की है, जिसमें वह विजय के साथ नजर आ रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी। इसकी जानकारी खुद मृणाल ने दी है। मृणाल ने लिखा, एक बहुत ही रोमांचक यात्रा में पहला कदम। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के साथ काम करने का यह मेरा पहला मौका है और मैं विजय देवरकोंडा के साथ स्क्रीन साझा करने के लिए वास्तव में रोमांचित हूं। शूट शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकती।

किसी का भाई किसी की जान अब ओटीटी पर

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान ने इस साल ईद के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक दी थी। इस फिल्म के साथ भाईजान ने काफी समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी की थी तो उन्हें एक्शन अवतार में देखने के लिए प्रशंसक काफी उत्सुक थे। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की ओर से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। पिछले दिनों सलमान ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा करते हुए किसी का भाई किसी की जान की ओटीटी रिलीज के बारे में जानकारी दी थी। अभिनेता ने ट्वीट किया, देखें एक्शन, ड्रामा और रोमांस से भरपूर किसी का भाई किसी की जान का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर 23 जून को सिर्फ जी5 पर। अब यह फिल्म विगत दिवस 23 जून को जी5 पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म के ओटीटी पर आने की जानकारी मिलने के बाद ही प्रशंसक काफी खुश हो गए हैं, जो सिनेमाघरों में इसे देखने से चूक गए थे।

किसी का भाई किसी की जान 4 भाइयों की कहानी है, जिसमें सलमान सबसे बड़े भाई थे और बाकी तीनों को उन्होंने अनाथ आश्रम से गोद लिया था। फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी फिल्म में पहली बार सलमान के साथ पूजा हेगड़े की जोड़ी बनी थी तो शहनाज गिल और पलक तिवारी ने इससे बॉलीवुड में डेब्यू किया था। फिल्म में राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, विरेंद्र सिंह, जस्सी गिल और भूमिका चावला सहित कई सितारे नजर आए थे।

शाहरुख खान की पठान के बाद किसी का भाई किसी की जान को लेकर कहा जा रहा था कि यह भी बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा देगी, लेकिन इसका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 13.5 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की तो पहले हफ्ते में यह 9०.15 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। इसके बाद फिल्म की कमाई में गिरावट आने लगी और 5 हफ्तों में इसका कलेक्शन 11०.94 करोड़ रुपये रहा।

सलमान अब अपनी मशहूर टाइगर फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग के साथ वापसी करने जा रहे हैं। अभिनेता की टाइगर 3 1० नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिसमें कैटरीना कैफ मुख्य भूमिका में हैं और शाहरुख कैमियो करेंगे। इसके अलावा वह टाइगर वर्सेज पठान का हिस्सा है, जिसमें वह और शाहरुख एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेता ने तिग्मांशु धूलिया की दबंग 4 को ठुकरा दिया है और अब वह इस फिल्म में नजर नहीं आएंगे।

बिहार, झारखंड में क्या होगा ?

हरिशंकर व्यास

केंद्र में किसी सत्तारूढ़ दल के खिलाफ जब भी साझा राजनीति की बात होती है और बदलाव होजाता है तो सबसे अहम भूमिका बिहार की होती है। इसे 1977 और 1989 के चुनाव में सबने देखा। जानकार इसका जिक्र भी करते हैं। 2004 में भी जब अटल बिहारी वाजपेयी के छह साल के राज के खिलाफ तथा2014 में 10 साल के कांग्रेस राज के खिलाफ माहौल बना और बदलाव हुआ तो उसमें भी बिहार की भूमिका थी। ध्यान रहे 1999 के चुनाव में बिहार का विभाजन नहीं हुआ था तब 54 में से भाजपा ने 23 और जदयू ने 18 सीट जीती थी। यानी 41 सीटें दोनों के पास थी। लेकिन 2004 में जब केंद्र की वाजपेयी सरकार बहुत भरोसे में थी तो बिहार और झारखंड ने पासा पलट दिया। तब दोनों राज्यों की 54 सीटों में से भाजपा को बिहार में पांच और झारखंड में एक सीट मिली थी, जबकि जदयू को बिहार में छह सीट मिली थी। इन 54 में से राजद, कांग्रेस और लेफ्ट को 38 सीटें मिलीं। 2014 के चुनाव में जदयू से अलग होकर भाजपा ने अपने दूसरे सहयोगियों के साथ बिहार में 32 और झारखंड में 12 यानी कुल 44 सीटें जीती थीं। इस तरह 1977, 1989, 2004 और 2014 में केंद्र में हुए बदलाव में बिहार और झारखंड की अहम भूमिका रही।

तभी 2024 के चुनाव को लेकर भाजपा की चिंता वाले दो अहम प्रदेशों में बिहार और झारखंड शामिल हैं। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के 10 साल हो गए हैं, जिससे निश्चित रूप से सत्ता विरोधी माहौल भी बना है। इस सत्ता विरोधी माहौल यानी एंटी इन्कम्बैंसी को कम करने के लिए भाजपा हिंदुत्व, राष्ट्रवाद और नरेंद्र मोदी के मजबूत व निर्णायक नेतृत्व का कार्ड चलेगी। हिंदुत्व के तहत अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर का उद्घाटन और काशी व मथुरा का आंदोलन जैसे मुद्दे हो सकते हैं। राष्ट्रवाद का उभार सीमा पर किसी मामूली घटना से भी आ सकता है। तभी सवाल है कि क्या ये मुद्दे बिहार और झारखंड में भाजपा को वैसी जीत दिला देंगे, जैसी जीत 2014 और 2019 में मिली थी? या भाजपा के हिंदुत्व व राष्ट्रवाद के कार्ड के सामने जाति व सामाजिक न्याय का मुद्दा भारी पड़ेगा?

इस बात को समझने के लिए इन दोनों राज्यों की सामाजिक-राजनीतिक बुनावट को समझनी होगा। ये दोनों राज्य ऐतिहासिक रूप से धार्मिक या सांप्रदायिक ध्रुवीकरण वाले राज्य नहीं रहे हैं। 2014 में भाजपा को इन दोनों राज्यों में छप्पर फाड़ जीती मिली थी और झारखंड में 2019 में भी मिली। लेकिन उसका कारण सिर्फ सांप्रदायिक ध्रुवीकरण नहीं था। उसमें नरेंद्र मोदी के करिश्मे और उनके गुजरात मॉडल का भी हाथ था। यही वजह है कि 2019 के चुनाव से पहले भाजपा को बिहार में नीतीश कुमार को साथ लेने की मजबूरी हुई थी। भाजपा ने अपनी जीती हुई सीटें छोड़ कर जदयू से तालमेल किया, जिससे उसका सामाजिक समीकरण बेहतर हुआ। अगर थोड़ा पीछे इतिहास में जाकर देखें तब भी लगेगा कि इन दोनों राज्यों में मंदिर आंदोलन के शुरुआती दिनों में भी भाजपा को ज्यादा फायदा नहीं हुआ था। 1989 के चुनाव में भी एकीकृत बिहार की 54 में सिर्फ आठ सीट जीत पाई थी, जबकि राजद, कांग्रेस, जेएमएम, लेफ्ट ने 43 सीटें जीती थीं। इसी तरह 1991 में जब मंदिर आंदोलन चरम पर था तब भाजपा को सिर्फ पांच सीट मिली, जबकि राजद, कांग्रेस, जेएमएम और लेफ्ट ने 47 सीटें जीतीं। इसके बाद ही भाजपा ने नीतीश कुमार की तब की समता पार्टी से तालमेल किया था और सामाजिक समीकरण मजबूत किया।

अब नीतीश कुमार ने फिर से भाजपा का साथ छोड़ दिया है तो भाजपा को अपना सामाजिक समीकरण खुद ही ठीक करना है। हिंदुत्व के दांव के साथ साथ जातियों को साधने का काम भाजपा को अपने दम पर करना है। इसलिए उसने नीतीश के लव-कुश समीकरण की ताकतवर जाति कोईरी यानी कुशवाहा के नेता सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। इसी समुदाय के उपेंद्र कुशवाहा के साथ भाजपा तालमेल करने जा रही है और पशुपति पारस व चिराग पासवान की पार्टियों से भी उसका तालमेल है। सो, कुशवाहा और पासवान के साथ भाजपा सवर्ण और वैश्य का वोट अपने साथ मान कर राजनीति कर रही है। दूसरी ओर राजद, जदयू, कांग्रेस और लेफ्ट के साथ दो और पार्टियां हैं। जीतन राम मांझी की हम और मुकेश सहनी की वीआईपी। इन सात पार्टियों के पास मोटे तौर पर यादव, कुर्मी, मल्लाह, मुसहर और मुसलमान का वोट है। इसमें जदयू, लेफ्ट और कांग्रेस की वजह से कुछ अन्य पिछड़ी व सवर्ण जातियां जुड़ सकती हैं। सो, पहली नजर में इस गठबंधन का सामाजिक समीकरण बड़ा और मजबूत दिख रहा है। इसी तरह झारखंड में एक तरफ भाजपा और आजसू का गठबंधन है तो दूसरी ओर जेएमएम, कांग्रेस और राजद का गठबंधन है, जिनका वोट आधार ज्यादा बड़ा है।

पिछले तीन दशक के चुनावों को देखें तो साफ दिखेगा कि इन दोनों राज्यों में मंदिर से ज्यादा मंडल की राजनीति चलती है। 2014 का चुनाव अपवाद है, जब भाजपा ने अपने दम पर मंडल की राजनीति करने वाली पार्टियों को हराया था। 10 साल के बाद अब वैसी स्थिति नहीं दिख रही है। कम से कम अभी ऐसा नहीं दिख रहा है कि भाजपा 2014 वाला करिश्मा दोहराने की स्थिति में है। इसकी बजाय दोनों राज्यों में सत्तारूढ़ गठबंधन ने जो राजनीति की है वह भाजपा के लिए मुश्किल पैदा करने वाला है। बिहार में राजद, जदयू की सरकार ने जातीय जनगणना शुरू कराई है, जिस पर अभी हाई कोर्ट ने रोक लगाई है। दूसरी ओर झारखंड में जेएमएम-कांग्रेस की सरकार ने आदिवासी और ओबीसी आरक्षण बढाया है। इसके अलावा भी सामाजिक समूहों को साधने के कई छोटे छोटे उपाय किए हैं। तभी अगले साल के चुनाव से पहले भाजपा कोई भी दांव चले उसे छोटे छोटे टुकड़ों में बंटे समूहों को हिंदुत्व के एक छाते के नीचे लाना आसान मुश्किल होगा।

भाजपा को भी इसका अंदाजा है इसलिए वह सिर्फ बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के प्रवचन के भरोसे नहीं है, बल्कि अपना सामाजिक समीकरण बनाने में भी लगी है। पते की और आखिरी बात यह है कि झारखंड-बिहार की 54 सीटों में से नरेंद्र मोदी की सर्वाधिक विकट परीक्षा है। हिंदी प्रदेशों की 227 सीटों में भाजपा के लिए इन 54 सीटों में विपक्ष को रोकना नंबर एक चुनौती है।

स्टाइलिश आउटफिट में राधिका मदान की कूल तस्वीरें वायरल

राधिका मदान अपनी खूबसूरती से फैंस के दिलों को बेताब करने का हुनर बखूबी जानती हैं। उनकी किलर तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। वहीं, ग्रीन कलर की लेटेस्ट आउटफिट में एक्ट्रेस की बेहद ही स्टनिंग तस्वीरें वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस राधिका मदान ग्रीन और व्हाइट कलर के कॉम्बिनेशन में बेहद ही स्टनिंग तस्वीरों में गजब ढाहती नजर आ रही हैं। ओपन हेयर स्टाइल के साथ एक्ट्रेस राधिका मदान अपने किलर अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपा रही हैं।

टीवी सीरियल मेरी आशिकी तुम से ही से अपने करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस राधिका मदान फिल्मों में भी जलवा बिखेरती रहती हैं। एक्ट्रेस राधिका मदान अब बॉलीवुड में भी अपने झंडे गाड़ रही हैं। अपने अभिनय और खूबसूरती के दम पर एक्ट्रेस कई बड़े सितारों के साथ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। वहीं, राधिका मदान ने फिल्म पटाखा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके दमदार रोल की सबने सराहना की। राधिका मदान फिल्म अंग्रेजी मीडियम, शिद्दत, मोनिका ओ माई डार्लिंग में नजर आ चुकी हैं। राधिका मदान की ग्लैमरस तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। वहीं, राधिका मदान का लेटेस्ट फोटोशूट देखकर फैंस उनकी खूबसूरती के कायल हुए जा रहे हैं। रेड बिकिनी में एक्ट्रेस राधिका मदान बेहद ही हॉट नजर आ रही हैं। फैंस उनकी टोंड बॉडी के दीवाने बने हुए हैं। एक्ट्रेस राधिका मदान की फैन फॉलोइंग 3.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

सू- दोकू क्र.057

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.56 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

ट्रंप की डींगें और 420 साल की सजा वाले आरोप!

श्रुति व्यास

डोनाल्ड ट्रंप अब अमेरिका के सभी पूर्ववर्ती राष्ट्रपतियों में सबसे अलग बन गए हैं। वे पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति हो गए है जिन पर फ़ेडरल कानूनों को तोड़ने के आरोप लगे हैं। संघीय सरकार के वे कानून हैं जिनकी रक्षा करने की शपथ उन्होंने करीब छह साल पहले ली थी। अब वे खुद राष्ट्रीय सुरक्षा, गोपनीयता, जासूसी संबंधी कानूनों के उल्लंघनकर्ता के आरोपी बने है।

डोनाल्ड ट्रंप पर जो आरोप लगाए गए हैं वे काफी गंभीर हैं। उनके अनुसार गोपनीय सरकारी दस्तावेज ट्रंप के मकान के बाथरूम में पाए गए; एफबीआई की छापेमारी के वक्त उसे दस्तावेज हाथ नहीं लगने देने के लिए बक्सों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की फूहड़ कोशिश हुई; एक टेप भी है जिसमें ट्रंप स्वयं अपने अपराधी होने की पुष्टि कर रहे हैं और उनके स्वयं के सार्वजनिक बयान हैं जिनका उपयोग उनके खिलाफ बने आरोप पत्र में है।

ये आरोप उन कुल 37 अपराधों के ब्यौरे का भाग है जिनके लिए ट्रंप को कटघरे में खड़ा किया जा रहा अधिकांश आरोप (31) का संबंध जानते-समझते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जानकारियां अपने पास रखने से है। इनमें से प्रत्येक आरोप जासूसी संबंधी कानूनों का उल्लंघन है। एक आरोप न्यायिक प्रक्रिया में रोड़े अटकाने का भी है, जिसमें ट्रंप पर गोपनीय दस्तावेजों को एफबीआई और मामले की जांच कर रही जूरी की पहुंच से दूर रखने के लिए अपने व्यक्तिगत सहायक वॉल्ट नाउटा के साथ मिलकर साजिश रचने का दोषी बताया गया है।ट्रंप के वकीलों का कहना है कि गोपनीय दस्तावेज एक सुरक्षित स्टोरेज रूम में रखे गए थे। परन्तु सच यह कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गुप्त दस्तावेज ट्रंप के शानदार घर 'मारा लागो' में जगह-जगह बिखरे पड़े थे - कुछ शावर में, कुछ बाथरूम में, कुछ ऑफिस में, कुछ बेडरूम में और कुछ - मानों दुनिया को अपना रुतबा दिखाने के लिए - बॉलरूम की स्टेज पर! इसी बालरूम में कार्यक्रम हुआ करते थे जिनमें लोग इकठ्ठा होते थे। मतलब अमेरिका की सैनिक ताकत, एटमी हथियारों की जानकारी, लड़ाई की सूरत में अमेरिका की जवाबी रणनीति जैसे तमाम गंभीर-गोपनीय दस्तावेजों को एफबीआई ने पिछले अगस्त में ज़ब्त किया था। एफबीआई ने ट्रंप के फ्लोरिड़ा घर 'मारा लागो' की तलाशी लेने के लिए वारंट हासिल किया था क्योंकि कई बार अनुरोध करने के बाद भी ट्रंप अत्यंत गुप्त दस्तावेज लौटा नहीं रहे थे।

ऐसा लगता है कि डींगें हांकने की ट्रंप की आदत उनके इस नए सिरदर्द के लिए ज़िम्मेदार है। ज़ब्ती के समय ट्रंप ने शेखी बघारी थी कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है क्योंकि बतौर राष्ट्रपति उन्हें किसी भी दस्तावेज पर लगा 'गोपनीय' का ठप्पा हटाने का आदेश जारी करने का अधिकार था। परन्तु उनका यह बयान, सन 2021 की उन्हीं की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग से मेल नहीं खाता। प्रॉसिक्यूशन के पास वह टेप है जिसमें वे यह मंजूर कर रहे हैं कि उनके पास जो फाइलें हैं उनमें से कुछ अत्यंत गुप्त हैं। उन्होंने दो लेखकों, जो उनके एक सहायक पर किताब लिख रहे थे, से कहा था, इससे मेरी बात पूरी तरह साबित हो जाती हैज्बस सवाल यह है कि वह अत्यंत गोपनीय हैज्गुप्त है। यह गुप्त जानकारी है।

इन आरोपों पर ट्रंप को 420 साल के कारावास की सज़ा ही सकती है। हाँ, उनके अपराध इतने गंभीर हैं। परन्तु यह भी कहा जा रहा है कि इतनी लम्बी सजा शायद ही कभी सुनाई जाती है। दिलचस्प बात है कि शायद ट्रंप पहले ऐसे पूर्व राष्ट्रपति होंगे जो फिर एक बार चुने जाने के लिए जेल से चुनाव लड़ेंगे। उन पर आरोप लगाये जाने पर भी राजनीति हो रही है। उन्होंने स्वयं पर आरोप लगाये जाने को न्याय का मखौल बताया। कहा कि एक षड़यंत्र के तहत बाइडन ने गुप्त दस्तावेज वाशिंगटन डीसी के चाइनाटाउन में छुपा रखे हैं। इन आरोपों की अब तक पुष्टि नहीं हुई है। भाषण के बाद लौटते हुए उन्होंने 'पोलिटिको' से कहा कि अगर उन पर लगाये गए ताज़ा आरोप सिद्ध भी हो जाते हैं तब भी वे राष्ट्रपति बनने की दौड़ में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा मैं भागूंगा नहीं।

डीआईजी कार्मिक ने गंगोत्री धाम में दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। अन्तर्राष्ट्रीय ड्रग्स निरोधी दिवस 2023 के अवसर पर नशामुक्त भारत व ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन-2025 के अंतर्गत 12 से 26 जून 2023 तक उत्तराखण्ड पुलिस द्वारा प्रदेशभर मे 'नशा मुक्त भारत पखवाडा' आयोजित कर व्यापक स्तर पर आम जनमानस को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरुक किया जा रहा है। उत्तरकाशी भ्रमण पर आये पुलिस उपमहानिरीक्षक (कार्मिक) अनन्त शंकर ताकवाले द्वारा गंगोत्री धाम मन्दिर प्रांगण मे तीर्थ पुरोहितो, श्रद्धालुओं, पुलिस के जवानों व उपस्थित अन्य लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के सम्बन्ध में जागरुक करते हुये ड्रग्स एवं नशीले पदार्थों से दूरी बनाने की नसीहत दी गई, उनके द्वारा सभी को ड्रग्स एवं नशा विरोधी शपथ दिलाई गई। गंगोत्री भ्रमण के दौरान उनके द्वारा चौकी गंगोत्री का निरीक्षण कर चौकी परिसर मे कर्मिकों के बैरक, मैस एवं अन्य सुख-सुविधाओं का जायजा लिया गया तथा चौकी पर तैनात पुलिस बल का सम्मलेन लेकर सभी अधिकारी/कर्मचारियों की समस्याएं पूछी गई। सभी को मुस्तैदी से ड्यूटी कर अब तक की यात्रा को सकुशल सम्पन्न करवाने बधाई देते हुये आगामी कांवड यात्रा व मानसून सीजन के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

महिलाओं को दिया मधुमक्खी पालन का व्यावहारिक प्रशिक्षण

हमारे संवाददाता

देहरादून। फिक्सी फ्लो एवं त्रिकोण सोसाइटी द्वारा सहसपुर ब्लॉक देहरादून में इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर ट्रेनिंग एंड रिसर्च (नॉलेज पार्टनर) के सहयोग से महिलाओं को मधुमक्खी पालन का तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सोसाइटी द्वारा आज प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को मधुमक्खी का बक्सा भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य महिलाओं को सफल उद्यमी बनाना है जिससे वह आत्मनिर्भर हो सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अनुराधा मल्ला (चेयरपर्सन) फिक्सी फ्लो, डॉ नेहा शर्मा (डायरेक्टर) त्रिकोण सोसाइटी, अमित उपाध्याय (डायरेक्टर) रोहित कुमार (कोऑर्डिनेटर), नवीन नौटियाल (ट्रेनर) इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर ट्रेनिंग एंड रिसर्च मौजूद रहे।

मोबाइल लूट का खुलासा, दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मोबाइल लूट का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरो को लूटे गए मोबाइल व लूट में प्रयुक्त बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार बीती 7 मई को मोहल्ला चौपाड कनखल निवासी एक युवती का बाइक सवार दो बदमाशों द्वारा कुमहारगढा क्षेत्र से मोबाइल लूट लिया गया था। मोबाइल लूट की इस घटना पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लुटेरों की तलाश शुरू कर दी थी। मोबाइल लुटेरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीती शाम सूचना मिली की उक्त मोबाइल लूट में शामिल बदमाश क्षेत्र में देखे गए हैं तथा वह फिर किसी घटना को अंजाम देने वाले हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बताए गए स्थान जियापोता जाने वाले नगर मार्ग पर दबिश देकर दोनों बदमाशों को दबोच लिया जिनके पास से लूटा गया मोबाइल वह घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम शिवम पुत्र गम्भीर निवासी ग्राम दुर्गागढ थाना पथरी जनपद हरिद्वार व गौरब पुत्र मंगलराम निवासी ग्राम दुर्गागढ थाना पथरी जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उन्हें संबंधित धाराओं में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

सीएम ने गठित की हाई लेवल..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

सौंपेगी। जिससे यह साफ हो सके कि इस मामले में की सच्चाई क्या है? यह सोने की परत पीतल की कैसे हो गई या फिर जो परत चढ़ाई गई है वह सोने की है या पीतल की है अगर सोने की है तो इसकी क्या शुद्धता है? देखना होगा कि क्या इस जांच से यह साफ हो सकेगा कि यह सोना पीतल कैसे हो गया या सोना सोना ही है यह महज एक भ्रम फैलाया गया है।

उत्तराखंड पहुंचे विदेशी मेहमानों का एयरपोर्ट पर हुआ भव्य स्वागत

हमारे संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश में होने वाली जी-20 बैठक में शामिल होने के लिए विदेशी मेहमान उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। इस क्रम में आज सुबह करीब 8 बजे ब्राजील से तीन डेलीगेट्स जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे, जिनका जोरदार स्वागत किया गया।

दिल्ली से जौलीग्रांट की फ्लाईट से जी-20 सम्मेलन में प्रतिभाग करने ब्राजील से तीन प्रतिनिधिमंडल के सदस्य पहुंचे जिनका स्थानीय संस्कृति एवं लोक परंपराओं से ढोल-दमाऊ के साथ भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान डोईवाला उप जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया की जी-20 सम्मेलन में शामिल होने के लिए ब्राजील से 3 डेलीगेट्स टियागो अल्मेडा पिंटो, एंटोनियो फ्रीटास व मार्डेन डी मेलो बारबोजा जॉलीग्रेंट एयरपीर्ट पहुंचे, जिनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उप जिलाधिकारी टिहरी शालिनी पंत, डोईवाला तहसीलदार सोहन सिंह रांगड़, जिला प्रशासन एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

कार चोरी में शातिर गिरफ्तार, एक फरार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कार चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर को चोरी की कार सहित गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि इस दौरान उसका एक साथी भागने में सफल रहा जिसकी तलाश की जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सिरचन्दी भगवानपुर निवासी मनव्वर द्वारा अज्ञात चोर पर मक्खनपुर भगवानपुर गागलेहड़ी रोड़ स्थित नेशनल मोटर्स से स्वयं की सेन्ट्रो कार को चोरी कर ले जाने के सम्बन्ध में थाना भगवानपुर में प्रार्थना पत्र दिया गया। शिकायत के आधार पर ने पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम ने आज सुबह एक सूचना के आधार पर काली नदी चेकपोस्ट पर चौकिंग कर चुराई गई सेन्ट्रो कार को रोका गया और कार चला रहे आरोपी सावेज को नियमानुसार हिरासत में लिया गया। हालांकि इस दौरान उसका 1 साथी फरार होने में सफल रहा। सावेज से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि फरार आरोपी सावेज के ही ताऊ का लड़का है और कार चुराने की घटना में सम्मिलित रहा है। जिसका नाम रहमान पुत्र सलीम निवासी मूल बस्ती गंदेवड़ा थाना फतेहपुर जनपद सहारनपुर बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शातिर किस्म का बदमाश है जिस पर आधा दर्जन से अधिक मुकदमे कायम है वही फरार आरोपी पर एक दर्जन मुकदमे चल रहे हैं। जिसकी तलाश में छापेमारी की जा रही है।

मोरी में पुलिस व राजस्व टीम ने की अफीम की खेती नष्ट

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। राज्य में नशे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए पुलिस व राजस्व टीम ने कमर कस ली है इस क्रम में बीते रोज पुलिस व राजस्व टीम द्वारा मोरी क्षेत्र में अवैध रूप से उगाई गई अफीम की खेती नष्ट की गई है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना मोरी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक स्थान पर किसी व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से अफीम की खेती की जा रही है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा राजस्व की टीम से सामंजस्य करते हुए बताई गई स्थान ग्राम फिताडी मैं छापेमारी की गई जहां संयुक्त टीम द्वारा कई हेक्टेयर भूमि पर उगाई गई अफीम की खेती नष्ट कर दी गई। हालांकि इस दौरान भूस्वामी रणवीर सिंह पुत्र जय कृष्ण फरार होने में सफल रहा जिसकी तलाश में छापेमारी जारी है। वही फरार आरोपी के खिलाफ पुलिस ने एनडीपीएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

ऑनलाइन धोखाधड़ी में पति-पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून । मकान किराये पर लेने के नाम पर आन-लाइन धोखाधड़ी करने के मामले में पुलिस ने दम्पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीवनीमाई रोड ऋषिकेश निवासी केशव अरोड़ा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने 21 जून 2023 को ओएलएक्स पर एक कमरे को किराए पर देने का विज्ञापन दिया गया था। विज्ञापन के संबंध में एक व्यक्ति संजय सिह ने उससे ओएलएक्स पर उसका मोबाइल नंबर मांगा गया । उसके द्वारा उक्त व्यक्ति संजय सिंह को मोबाइल नंबर दिया गया। संजय सिंह ने उससे मोबाइल पर बात की गई और बताया गया कि वह 01 जुलाई 2023 से ऋषिकेश पब्लिक स्कूल में अध्यापक की पोस्ट पर आएगा इसलिए वह व्यक्ति संजय सिंह तथा उसकी पत्नी धन्पा देवी ऋषिकेश में एक किराए पर कमरा ढूंढ रहे है। यह कि प्रार्थी द्वारा उस व्यक्ति को व्हटस एप्प के माध्यम से कमरे की तस्वीरें भेजी गई तभी संजय सिंह ने उससे उसके पिता का मोबाइल नंबर भी मांगा गया। संजय सिंह ने उसके पिता राजेश कुमार से मोबाइल पर बात की और कहा गया कि उसे कमरा पसंद है और वह ये कमरा अपनी पत्नी के साथ रहने के लिए किराए पर लेना चाहता है तथा इसके संबंध में वह उसके पिता को छह हजार रुपये बैंक के माध्यम से अपनी पत्नी के खाते से भेज रहा है संजय सिंह ने फिर काल कर उसको बताया कि उसकी पत्नी ने गलती से 6000 की जगह 60000 रूपए भेज दिए हैं तथा उक्त लेनदेन के संबंध में एक मैसेज भी व्हाट्सएप पर भेजा और कहा कि उसे ज्यादा आई हुई की धनराशि वापस दे।

उसने संजय सिंह की बात मानकर उसे बीस हजार रुपये यूपीआई के माध्यम से भेज दिए। उसने अपने बैंक (बैंक ऑफ बड़ौदा) के खाते में से अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर द्वारा संजय सिंह की पत्नी धनपा देवी के मोबाइल नंबर के माध्यम से 20000 रुपए भेज दिए। उसने फिर देखा तो उक्त 60000 रुपये का मैसेज एक गलत व फ्रॉड मैसेज था उसके बाद जब उसने कई बार संजय सिंह को फोन किया तो वह फोन नहीं लगा तथा उसकी पत्नी धनपा देवी का फोन भी बंद आ रहा है। कई बार फोन ना मिलने पर उसको मालूम हुआ कि वह व्यक्ति संजय सिंह उसके साथ 20000 का फ्रड कर गया है तथा उसी समय उसने अपने बैंक में भी शिकायत दर्ज कराई गयी । पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है ।

एक नजर

हाईकोर्ट का अहम फैसला, 16 साल की लड़की सेक्स संबंधी निर्णय लेने में सक्षम

मेघालय। नाबालिग से रेप के मामले में सुनवाई करते हुए मेघालय उच्च न्यायालय ने अहम फैसला देते हुए आरोपी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कोर्ट ने ये टिप्पणी की है कि 16 साल की लड़की सेक्स को लेकर फैसला लेने में सक्षम है। बता दें कि याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि आपसी सहमति से ही शारीरिक संबंध बने थे। मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, उस उम्र (16 साल की आयु के नाबालिग के

संदर्भ में) के किशोर के शारीरिक और मानसिक विकास को देख रहा कोर्ट इस बात को तर्कसंगत मानेगा कि ऐसा व्यक्ति संभोग के संबंध में अपने लिए भलाई के फैसले लेने में सक्षम है। दरअसल, याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि उसके और कथित पीड़िता के बीच संबंध सहमति से बने थे और दोनों एक-दूसरे से प्रेम करते थे। मिली जानकारी के अनुसार, याचिकाकर्ता कई घरों में काम करता था और कथित पीड़िता के साथ संपर्क में आ गया। आरोप लगाए जा रहे हैं कि दोनों याचिकाकर्ता के रिश्तेदार के घर गए, जहां दोनों ने शारीरिक संबंध बनाए। अगले ही दिन सुबह नाबालिग लड़की की मां की तरफ से आईपीसी की धारा 363 और पॉक्सो एक्ट की धारा 3 और 4 के तहत एफआईआर दर्ज करा दी गई थी। याचिकाकर्ता का कहना था कि उस मामले को यौन हिंसा के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि नाबालिग ने खुद ही कोर्ट को और अपने बयान में खुलकर बताया है कि वह याचिकाकर्ता की प्रेमिका है। साथ ही उसने यह भी पुष्टि की है कि शारीरिक संबंध मर्जी से ही बने हैं, जिसमें जबरदस्ती नहीं की गई है। दरअसल, मेघालय उच्च न्यायालय ने इस मामले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को माना। कोर्ट ने पाया कि सर्वाइवर के आयुवर्ग में लोगों के मानसिक और शारीरिक विकास को देखते हुए यह माना जा सकता है कि वे यौन संबंधों के मामले में ठीक फैसला लेने में सक्षम हैं।

रूस की तरफ से यूक्रेन में लड़ने वाले वैगनर ग्रुप ने की रूस से बगावत

मॉस्को। पुतिन की सबसे बड़ी ताकत कहलाने वाले और यूक्रेन में रूस की तरफ से लड़ने वाले वैगनर ग्रुप के चीफ येवगेनी प्रिगोजिन ने अब रूस के खिलाफ ही बगावत शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक येवगेनी प्रिगोजिन के लड़ाके राजधानी मॉस्को में घुस चुके हैं और राजधानी की सड़कों पर वैगनर ग्रुप के टैंक्स देखे जा रहे हैं। फिलहाल मॉस्को को हाई अलर्ट पर रख गया है और वहां तक पहुंचने वाले एम-4 मोटर वे को ब्लॉक कर दिया गया है। हाल में ही जब

रूस ने यूक्रेन के बखमुत शहर पर कब्जा किया था तो इसमें वैगनर ग्रुप ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। न सिर्फ यूक्रेन बल्कि वैगनर ग्रुप की तैनाती क्राइमिया, सीरिया, लीबिया, माली और सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक में भी रही है। वैगनर का मतलब भाड़े के लड़ाके होता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने जनवरी में बताया था कि वागनर ग्रुप के पास यूक्रेन में करीब 50 हजार लड़ाके हैं जो रूस की तरफ से लड़ रहे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सुखोई-मिराज व जगुआर ने 'टच एंड गो' कर दिखाया शौर्य एवं पराक्रम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर के करीब पूर्वांचल एक्सप्रेस पर शनिवार को वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने अपना गजब का शौर्य एवं पराक्रम दिखाया। एक्सप्रेसवे की 3.4 किलोमीटर की एयरस्ट्रिप पर टच एंड गो अभ्यास कर लड़ाकू विमान सुखोई, मिराज और जगुआर ने अपनी गर्जना से वायु सेना की बेजोड़ ताकत

एवं अपनी तैयारी से एक बार फिर परिचय कराया। एयरस्ट्रिप के पास से ये लड़ाकू विमान जब गुजरे तो पूरा इलाका उनकी गर्जना से थर्रा उठा। हाल के वर्षों में देश में बनने वाले एक्सप्रेसवे को इस हिसाब से बनाया गया है कि जरूरत पड़ने पर इनका इस्तेमाल एयरस्ट्रिप के रूप किया जा सके। यमुना एक्सप्रेसवे, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भी इसी तरह के एयरस्ट्रिप बनाए गए हैं जहां आपात स्थिति में वायु सेना के लड़ाकू विमान लैंडिंग और टेक ऑफ कर सकते हैं। दरअसल, युद्ध होने पर दुश्मन देश एयरबेस को निशाना बनाते हैं। उनका मकसद फाइटर प्लेन को टेक ऑफ करने से रोकना होता है। ऐसे में एक्सप्रेसवे पर बने एयरस्ट्रिप वायु सेना के लिए काफी मददगार साबित हो सकते हैं।

उद्यमी प्रदेश के विकास के सारथीः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में निवेश करने वाले उद्यमी उत्तराखंड के विकास के सारथी एवं प्रदेश की प्रगति के वाहक हैं।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजपुर रोड, देहरादून स्थित एक निजी होटल में बी.एन.आई देहरादून द्वारा आयोजित बी.एन.आई दून (बिजनेस कॉन्क्लेव) कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल (बीएनआई) दून ई-3 एक्सपो में उपस्थित सभी उद्यमियों का स्वागत करते हुए कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में निवेश करने वाले उद्यमी उत्तराखंड के विकास के सारथी एवं प्रदेश की प्रगति के वाहक हैं। बीएनआई दून एक्सपो केवल उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह हमारे राज्य में पनप रही उद्यमशीलता की भावना और नवीन मानसिकता का प्रमाण है। उत्तराखंड राज्य में सभी प्रकार के व्यवसाई अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन कर सकते हैं, सार्थक संबंध बना सकते हैं और नए अवसर तलाश सकते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश के ग्रोथ इंजन को दौड़ाने के लिए सरकार और उद्योग जगत के बीच एक उचित समन्वय बेहद आवश्यक है। हमारे एक-एक उद्यमी की उपलब्धि हमें आत्मनिर्भरता की ओर ले जा रहे है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

नेतृत्व में हमारे देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। नरेंद्र मोदी द्वारा नए भारत के निर्माण का संकल्प लिया गया है, जो अब पूरा होता दिखाई दे रहा है। आज पूरी दुनिया भारत को सक्षम, रचनाशील, बदलाव के लिए तैयार एक अभिनव आर्थिक इकोसिस्टम के रूप में देख रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड भी भारत की आर्थिक प्रगति में एक प्रमुख सहभागी बने और अग्रणी राज्यों में हमारा स्थान सुनिश्चित हो। इसके लिए सरकार कार्यरत है। राज्य सरकार निरंतरता के साथ अभावों को अवसरों में बदलने का कार्य कर रही है। राज्य सरकार प्रदेश को निवेश के लिए एक सर्वाधिक पसंदीदा गन्तव्य के रूप में विकसित करने के लिए भी प्रयासरत है। राज्य में निवेश के लिए बेहतर कानून व्यवस्था, स्वच्छ पर्यावरण, रेल, सड़क तथा वायु परिवहन की सुविधा, सस्ती एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा जल संसाधन उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण, फार्मा, आयुष और कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी, आईटी, पर्यटन, ग्रीन एनर्जी तथा सेवा क्षेत्र में कार्य किया जा रहा हैं। हमारी उद्योग अनुकूल नीतियों का परिणाम स्वरूप आज देश की विख्यात कंपनियां प्रदेश की प्रगति में अपना योगदान दे रही है। राज्य सरकार की नीतियों में प्रमुख रूप से मेगा औद्योगिक और निवेश नीति, एम.एस.एम.ई. नीति, मैगा टैक्सटाईल पार्क पॉलिसी, स्टार्टअप नीति, पर्यटन नीति, आयुष नीति, सौर ऊर्जा नीति, अरोमा पार्क नीति, इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण नीति, एयरोस्पेस एवं डिफेंस पॉलिसी, सूचना प्रौद्योगिकी नीति और निर्यात नीति शामिल है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना भी अति महत्वपूर्ण है। इसी कड़ी में हमने ''एक जनपद-दो उत्पाद'' योजना को लागू किया जिसका उद्देश्य स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करना, उन्हें आजीविका का प्रमुख साधन बनाना है। संकल्प से सिद्धि के इस सकारात्मक और पारदर्शी माहौल में, उत्तराखंड के प्रत्येक निवेशक के लिए अवसरों का विस्तार हो रहा है।

इस दौरान कार्यक्रम में मेयर सुनील उनियाल गामा, महानगर अध्यक्ष भाजपा सिद्धार्थ अग्रवाल, सुनील, राहुल, प्रकाश, रितु मौर्य, प्रगति एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

देशभर में करोड़ों की ठगी...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

अंकित है एवं 47,000 रुपये नगद बरामद किये गये।

साईबर ठगो द्वारा विभिन्न इश्योरन्स के पालिसी नम्बर एवं व्यक्तिगत जानकारी बताकर पीडित का विश्वास जीता और विभिन्न कारण जैसे पॉलिसी प्रीमियम ,मेचोरटी रिबेट आदि। लाईफ एश्योरेंस के नाम पर साईबर पीड़ित द्वारा अपने प्रथम सूचना विवरण के माध्यम से अवगत कराया कि उनके द्वारा बन्द पडी बीमा पॉलिसी चालू कराने व ध नराशि वापस कराने हेतु ऑनलाईन सर्च किया था, जिस पर शिकायतकर्ता के साथ अज्ञात अभियुक्तो द्वारा स्वंय को आईआरडीए तथा आईबीएमएस विभाग का कर्मचारी बताते हुए शिकायतकर्ता के अनुरोध पर पॉलिसी को केन्सल कराने हेतु प्रोसेसिंग चार्ज की माँग करना तत्पश्चात अन्य अज्ञात व्यक्तियो द्वारा विभिन्न नम्बरों से सम्पर्क कर स्वंय को एनपीसीआई इंश्योरेन्स कम्पनी, इनकम टैक्स आदि के कर्मचारी बताकर फन्ड वापस दिलाने की बात करते हुये विभिन्न चार्ज के नाम पर 43,23,351 रुपये की धनराशि धोखाधडी से हड़प ली गई। पूछताछ में उसने अपना नाम अजीत कुमार पुत्र बृजनन्दन शर्मा निवासी भडाना मौहल्ला दल्लूपुरा गाँव ईस्ट दिल्ली, दिल्ली बताया। पूर्व में अजीत कुमार को अम्बाला कैण्ट पुलिस, हरियाणा द्वारा 5 करोड़ के इंश्योरेंस ठगी में गिरफ्तार किया गया था।

तीन दिन उत्तराखंड पर भारी

❑मौसम के रेड अलर्ट पर शासन-प्रशासन सतर्क

विशेष संवाददाता

देहरादून। सावधान! उत्तराखंड वासियों पर अगले 72 घंटे बहुत भारी पड़ने वाले हैं। मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए रेड अलर्ट के बाद शासन द्वारा सभी जिलों के अधिकारियों को एडवाइजरी जारी करते हुए सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल कर दी गई, वही सभी को अपने फोन ऑन रखने के लिए कहा गया है। एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमों के साथ-साथ पुलिस प्रशासन को भी अलर्ट रहने को कहा गया है।

मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार राज्य में 24, 25, 26 जून को भारी से भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही राज्य के कई हिस्सों में इस दौरान तेज हवाएं चलने की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग के निदेशक डॉ विक्रम सिंह का कहना है कि इस दौरान 50 से 60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं और आंधी तूफान की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा कहा गया है कि आगामी 72 घंटे अत्यधिक मौसम खराब रहने के कारण पेड़ तथा बिजली के पोल गिरने और भूस्खलन तथा सड़क बहने की घटनाएं सामने आ सकती है।

प्रशासन द्वारा लोगों को इस दौरान नदी-नालों और खालो से दूर रहने को कहा गया है। व बिना कारण यात्रा न करने की अपील की गई है। चारधाम यात्रा पर आने वाले यात्रियों को इस दौरान विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। राज्य की राजधानी देहरादून, रूद्रप्रयाग, चंपावत और पिथौरागढ़ तथा बागेश्वर में भारी से भी अधिक भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। बीते दो-तीन दिन से राज्य में हो रही बारिश के कारण राज्य की सभी प्रमुख नदियों में जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।